J.S. UNIVERSITY
SHIKOHABAD, FIROZABAD
PIN-283 135 (U.P.) INDIA
Website: www.jsu.ac.in, www.jsu.edu.in

जे.एस. विश्वविद्यालय
शिकोहाबाद, फिरोजाबाद
पिन–283 135 (उ.प्र.) भारत
E-mail: jsuniversityshikohabad@gmail.com

Established by the U.P. Govt. Act No. 7 of 2015
Recognized by U.G.C. under section 2(f) of Act. 1956

Date:25 Feb 2023

Report on: Bartman bhabishya hindi ka
Faculty Name: Dr. Sumit Mohan
Participation: Faculty and students of J.S. University, Shikohabad

Event Summary:

जे.एस. विश्वविद्यालय शिकोहाबाद में हिन्दी दिवस के मौके पर विचार गोष्ठी आयोजित की गई। जिसमें हिन्दी के वर्तमान और भविष्य की संभावनाओं विषय पर विस्तृत चर्चा की गई।इस विचार गोष्ठी में विश्वविद्यालय के चांसलर डॉ सुकेश यादव ने हिन्दी को सार्वभौमिक प्रयोग करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि वर्तमान में हिन्दी तकरीबन 176 देशों में सिखाई व पढाई जा रही है इसी से समझना होगा कि भविष्य में हिन्दी का प्रयोग न केवल भारत में बल्कि पूरे विश्व में होने की संभावना प्रबल है। उन्होंने कहा कि आज हिन्दी साहित्य के साथ साथ तकनीकी जैसे कम्प्यूटर, इंटरनेट और मोबाइल में आज सबसे ज्यादा प्रयोग में आने वाली भाषा बन गयी है और साथ ही सार्वभौमिक बोली समझी जाने वाली भाषा बनने जा रही है। साथ ही उन्होंने शिक्षा नीति को भी भाषायी दृष्टि से छात्रों के लिए उपयोगी बताया। इस अवसर पर ट्रस्टी अशोक यादव, विश्वविद्यालय के डायरेक्टर जनरल डॉ गौरव यादव और डीन कला संकाय डॉ सुमित मोहन, डॉ गौरव गुप्ता आदि ने अपने विचार व्यक्त किए और हिन्दी के प्रचार-प्रसार एवं प्रयोग पर जोर दिया इस कार्यक्रम में 30 छात्रों ने भाग लिया।

कुलसचिव
जे० एस० विश्वविद्यालय
शिकोहाबाद (फिरोजाबाद)

J.S. UNIVERSITY
SHIKOHABAD, FIROZABAD
PIN-283 135 (U.P.) INDIA
Website: www.jsu.ac.in, www.jsu.edu.in

जे.एस. विश्वविद्यालय
शिकोहाबाद, फिरोजाबाद
पिन–283 135 (उ.प्र.) भारत
E-mail: jsuniversityshikohabad@gmail.com

Established by the U.P. Govt. Act No. 7 of 2015
Recognized by U.G.C. under section 2(f) of Act. 1956

वर्तमान और भविष्य हिन्दी का : डॉ सुकेश

अब्दुल सत्तार

शिकोहाबाद। जे.एस. विश्वविद्यालय में हिन्दी दिवस के मौके पर विचार गोष्ठी आयोजित की गई। जिसमें हिन्दी के वर्तमान और भविष्य की संभावनाओं विषय पर विस्तृत चर्चा की गई।

इस विचार गोष्ठी में विश्वविद्यालय के चांसलर डॉ सुकेश यादव ने हिन्दी को सर्वाधिक प्रयोग करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि वर्तमान में हिन्दी तकरीबन 176 देशों में सिखाई व पढ़ाई जा रही है इसी से समझना होगा कि भविष्य में हिन्दी का प्रयोग न केवल भारत में बल्कि पूरे विश्व में होने की संभावना प्रबल है। उन्होंने कहा कि आज हिन्दी साहित्य के साथ साथ तकनीकी जैसे कम्प्यूटर, इंटरनेट और मोबाइल में आज सबसे ज्यादा प्रयोग में आने वाली भाषा बन गयी है और साथ ही सर्वाधिक बोली समझी जाने वाली भाषा बनने जा रही है। साथ ही उन्होंने शिक्षा नीति को भी भाषायी दृष्टि से छात्रों के लिए उपयोगी बताया। इस अवसर पर ट्रस्टी अशोक यादव, विश्वविद्यालय के डायरेक्टर जनरल डॉ गौरव यादव और डीन कला संकाय डॉ सुमित मोहन, डॉ गौरव गुप्ता आदि ने अपने विचार व्यक्त किए और हिन्दी के प्रचार-प्रसार एवं प्रयोग पर जोर दिया।

कुलसचिव
जे० एस० विश्वविद्यालय
शिकोहाबाद (फिरोजाबाद)